

नोट :- प्रत्येक खण्ड से पूछे गये प्रश्नों के अंक समान है। प्रत्येक खण्ड का उत्तर नवीन पृष्ठ से प्रारम्भ करें। समस्त प्रश्नों को अनिवार्यतः हल करें। उत्तर पुस्तिका की संख्या सामान्यतः 16 पृष्ठ से अधिक न हो। विद्यार्थी द्वारा स्वयं की हस्तलिपि में उत्तर लिखना अनिवार्य है। विद्यार्थी उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.bubhopal.ac.in से प्राप्त करें। (प्रत्येक प्रश्न का उत्तर सामान्यतः 250 शब्दों से अधिक न हों।)

Note :- All questions from each section carry equal marks. All questions are compulsory and answer limit are approximately 250 words. Start the answer of each section from new page. Maximum limit of pages of answer booklet are approximately 16 pages. Answer should be written by the student in his/her own handwriting mandatory. The first page of answersheet should be download by the student from university website www.bubhopal.ac.in is mandatory.

1. Explain concept need and scope of inclusive education.
समावेशी शिक्षा के प्रत्यय, आवश्यकता एवं क्षेत्र की व्याख्या कीजिए।
2. Discuss the persons with disabilities Act 1995 and RCI Act.
दिव्यांगजन अधिनियम 1995 एवं आर.सी.आई. अधिनियम की चर्चा कीजिए।
3. How an inclusive environment is created by the teachers in school ? Explain. Discuss various support services required in an inclusive shcool.
शिक्षकों द्वारा विद्यालय में समावेशी वातावरण कैसे तैयार किया जाता है ? व्याख्या कीजिए। एक समावेशी विद्यालय में आवश्यक विभिन्न समर्थन सेवाओं की चर्चा कीजिए।
4. Discuss nature and needs of learners with intellectual impairment and learning disabilities in inclusive setting.
समावेशी परिवेश में बौद्धिक क्षीणता एवं अधिगम अक्षमता युक्त बालकों की प्रकृति एवं आवश्यकताओं की चर्चा कीजिए।
5. Discuss need for flexible evaluation system and alternative assessment of learners in inclusive setting. 7
समावेशी परिवेश में विद्यार्थियों के लिए लचीली मूल्यांकन प्रणाली एवं वैकल्पिक आकलन की आवश्यकता की चर्चा कीजिए।